>

Title: Need to develop Buxar in Bihar as an attractive tourist destination.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): बक्सर (बिहार) पवित्र गंगा के किनारे बसा हुआ एक प्राचीनतम नगर है। यह भारत की संस्कृति का केन्द्रीय स्थान है क्योंकि महर्षि विश्वामित्र के आश्रम में श्रीराम ने यहीं शिक्षा-दीक्षा प्राप्त की थी। मर्यादा पुरूषोत्तम "राम" अयोध्या के राजकुमार थे मगर बक्सर में संस्कारित राम भारत के भगवान हैं। यही वह स्थान है जहां श्री राम ने ताड़का का वध कर रावण की राक्षसी संस्कृति को प्रथम बार चुनौती दी थी। इस तरह बक्सर पौराणिक काल ही प्रसिद्ध नगर नहीं बल्कि बक्सर का एक उपनगर चौसा भारत के दो-दो बार ऐतिहासिक युद्ध का भी गवाह है, जहां से हुआ जय-पराजय का फैसला भारत के शासन का फैसला साबित हुआ।

आदिकाल से लेकर आज तक अपनी प्रसिद्धि को बनाए रखने वाला "बक्सर" आज उपेक्षित है। राष्ट्र की संस्कृति का केन्द्रीय स्थान स्वीकार कर 80 के दशक में भारत सरकार ने गंगा तट पर अवस्थित किले में ध्वनि एवं प्रकाश का केन्द्र स्थापित किया जो पर्यटकों के लिए भारी आकर्षण का केन्द्र साबित हुआ था। लंबे समय तक कार्यरत केन्द्र आज बंद है, जिसकी आवश्यकता आज भी बक्सर के लिए ही नहीं बिहार के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों में भी बेचैनी पैदा कर रहा है। केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय पर्यटकों के आकर्षण के लिए भारी-भरकम बजट के माध्यम से पर्यटक स्थलों का विकास कर रही है। वही भारत प्रसिद्ध देश का महत्वपूर्ण सांस्कृतिक केन्द्र पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के द्वारा वर्षों से उपेक्षित है। बक्सर को केन्द्रीय स्थान मानकर राम-जानकी सर्किट की घोषणा आवश्यक है। पर्यटन की दृष्टि से इस महत्वपूर्ण स्थान को सजाने-संवारने की अति आवश्यकता को देखते हुए केन्द्रीय सरकार एक वृहत योजना तैयार करे साथ ही ध्वनि एवं प्रकाश केन्द्र को पुनरस्थापित किया जाना चाहिए।

मैं भारत सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय से मांग करता हूं कि 12वीं योजना काल के द्वितीय वर्ष में ही एक व्यापक कार्य योजना को तैयार कर बक्सर की गरिमा के अनुरूप विकसित कर पर्यटकों को आकर्षण के इस केन्द्र को उचित स्वरूप प्रदान करे।